सक्सेस मिरर

वर्ष : 9
अंक : 96
जनवरी : 2018

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | प्रकृति से प्रेरणा ग्रहण कीजिए

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- विद्युतीकरण की निगरानी हेतु 'सौभाग्य' वेब पोर्टल लाँच किया गया
- बिजनेस ऑप्टिमाइज रैंकिंग में भारत को 7वाँ स्थान
- भारत एवं विश्व बैंक के मध्य ऋण समझौता
- वालमार्ट का भारत में पहला फुलफिलमेंट सेंटर खुला

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मॉरिशस यात्रा
- यूपी सरकार ने गंगा सफाई हेतु नीदरलैंड के साथ समझौता किया
- वर्ष 2022 तक गरीबी, भ्रष्टाचार और आतंकवाद से मुक्त हो जाएगा भारत : रिपोर्ट

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 23वाँ जलवायु परिवर्तन सम्मेलन बॉन में सम्पन्न
- फ्रांस में बसेगा दुनिया का पहला तैरता हुआ शहर

- 15वाँ आसियान-भारत और 12वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

32 | खेल खिलाड़ी

- भारतीय पहलवान संदीप यादव पर 4 साल का प्रतिबंध लगा
- विराट कोहली अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने
- इंगलैण्ड ने फीफा-17 फुटबाल विश्व कप, 2017 का खिताब जीता

- भारत ने जीता एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 | **बैंकिंग लेख**—छोटे कर्जधारियों का एनपीए बढ़ना नया संकट

40 | **पर्यावरण लेख**—चिपको आन्दोलन

41 | **कैरियर लेख**—भारतीय वायुसेना की 'X' व 'Y' ग्रुप में कैरियर की हवाई

95 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

96 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-93 का परिणाम**

97 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

43 | **रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016**

58 | **मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2017**

65 | **उत्तर प्रदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय समूह 'ग' परीक्षा, 2017**

73 | **उत्तराखण्ड लेखपाल एवं पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा, 2016**

84 | **आगामी बैंक लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, असारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर. टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

घने वृक्षों के समुदाय को देखकर वह यकायक चिल्ला उठी—''आह कितना मनोरम दृश्य है ?'' वृक्षों की भीड़ को देखकर मन हरा-भरा हो जाता है. जबकि मनुष्यों की भीड़ को देखकर जी घबरा उठता है और हम भागकर खुली हवा में जाना चाहते हैं. आप तुरन्त सहमति प्रकट करते हुए कहेंगे कि प्रकृति का उन्मुक्त वातावरण किसको नहीं सुहाता है ? प्रकृति के वन, वृक्षों, उन पर लगे हुए फूलों की सुगंध, उन पर बैठे पक्षियों का कलरव, मन को निहाल कर देते हैं. ऐसा प्रतीत होता है कि मानव साहचर्य की अपेक्षा प्रकृति का साहचर्य हमारे स्वभाव के अधिक अनुकूल है. हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रेमचन्द ने एक स्थान पर लिखा है कि साहित्य में आदर्शवाद का वही स्थान है जो जीवन में प्रकृति का स्थान है. हम जब समाज की घुटन, ऊब, दुर्गन्ध एवं कुण्ठा भरे जीवन से ऊब जाते हैं, तब खुली हवा पाने के लिए किसी वन, उपवन अथवा उद्यान में जाना चाहते हैं, उसी प्रकार जीवन की विषमताओं एवं विडम्बना से युक्त काव्य की ऊब एवं घुटन मिटाने के लिए हम आदर्शवाद की ओर देखते हैं कहने का तात्पर्य यह है कि माता की गोद की भाँति प्रकृति हमारे लिए सुख-चैन-प्रदाता एवं संकटमोचन क्रोड़ का विधान करती है. वह सचमुच परमात्मा की कलाकृति है. उसी ने मानव को कला की प्रेरणा प्रदान की है. प्लेटो, अरस्तू आदिक प्राचीन दार्शनिक काव्यशास्त्रियों ने कला को प्रकृति का अनुकरण बताया है. प्रकृति में सुनाई देने वाली विविध ध्वनियों के आधार पर ही संगीत के सप्तस्वरों का विधान एवं नामकरण किया गया है. कवीन्द्र रवीन्द्र के शब्दों में ''प्रकृति ईश्वर की शक्ति का क्षेत्र है और जीवात्मा उसके प्रेम का क्षेत्र है.''

प्रकृति में प्रत्येक कार्य एक विशेष नियमानुसार होता है. हमारा समस्त भौतिक विज्ञान उसके नियमों के उद्‌घाटन का विनम्र प्रयास है, तथा मानव की आचार संहिताएं उसकी नियमित एवं अविचल प्रक्रियाओं के साक्षात्कार के महोत्सव का दिव्य संगीत हैं. प्रकृति हमें अनुशासन में रहने का पाठ पढ़ाती है. प्रकृति अनुशासन में चलती है और एक शिक्षिका की भाँति मानव को भी अनुशासन की शिक्षा देती है. ऋतुचक्र एक निश्चित अनुशासन का अनुवर्तन करता है. 'हुकुम बिना न झूले पाता' वाली उक्ति प्रकृति में व्याप्त अनुशासन की ही ओर इंगित करती है.

> ***Nature does not hurry, yet everything is accomplished.***
>
> ***—Lao Tzu***

प्रकृति में शून्य के लिए स्थान नहीं हैं. जो दोगे, उसका स्थान उसी वस्तु से भर जाएगा जो तुमने दी है. महात्मा कबीर का कथन दृष्टव्य है—

ऋतु बसंत नायक भया हरष दिया द्रुमपात
ताते कब पल्लव भया दिया मूर नहि जात ।